

प्रेषक,

सी० भास्कर,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

वित्त अधिकारी,
इरला चैक अनुभाग,
उत्तराखण्ड शासन।

ऊर्जा अनुभाग-2,

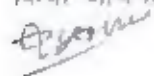
देहरादून: दिनांक: 03-12-नवम्बर, 2007

विषय- वित्तीय वर्ष 2007-08 में ऊर्जा विकास निधि हेतु धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

शासनादेश संख्या: 1918/1(2)/2007-05/53/2007, दिनांक 08.11.2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड ऊर्जा विकास निधि के प्रशासन समिति को उपलब्ध कराये जाने हेतु निधि की धनराशि को उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि० से प्राप्त कर राजकोष में जमा करने के उपरान्त ऊर्जा विकास निधि शुल्क एवं राजस्व के रूप में प्राप्त रु० 10,37,79,572/- की धनराशि के सापेक्ष रु० 10,37,00,000/- (रु० दस करोड़ सैंतीस लाख मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखते हुये आहरण की स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्न प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

- 1- यह धनराशि उत्तराखण्ड ऊर्जा विकास निधि अधिनियम, 2003 में वर्णित उद्देश्यों के प्रयोजन हेतु आहरित कर उत्तराखण्ड ऊर्जा विकास निधि के पी०एल०ए० खाते में जमा करायी जायेगी।
- 2- पी०एल०ए० खाते का संचालन शासन द्वारा प्राधिकृत ऊर्जा विभाग के संयुक्त सचिव/अपर सचिव द्वारा किया जायेगा तथा पी०एल०ए० से धनराशि का आहरण निधि के प्रशासन हेतु गठित प्रशासन समिति की संस्तुति प्राप्त कर शासन में यथोचित स्तर पर पूर्व स्वीकृति उपरान्त उक्त प्राधिकृत अधिकारी द्वारा पी०एल०ए० से धनराशि आहरित कर चैक के माध्यम से संबंधित याचक विभाग को अवमुक्त किया जायेगा।
- 3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उसी प्रयोजन के लिये किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।
- 4- स्वीकृत की जा रही धनराशि को व्यय करते समय समस्त वित्तीय/प्रशासनिक नियमों का अनुपालन किया जायेगा।



5- वित्त अधिकारी, इरला चैक अनुभाग द्वारा स्वीकृत की जा रही धनराशि का बिल बनाकर देहरादून कोषागार में प्रस्तुत किया जायेगा, जिसे देहरादून कोषागार में खुले पी0एल0ए0 खाते में पुस्तक समायोजन से जमा किया जायेगा।

- 6- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय के अनुदान संख्या 21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4801-बिजली परियोजनाओं पर पूंजीगत परियोजना-01-जल विद्युत उत्पादन-आयोजनागत-190-सरकारी क्षेत्रों के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश-05-ऊर्जा प्रदायक निधि में विनियोजन-00-30-निवेश/ऋण के नामे ढाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 665/XXVII(2)/2007, दिनांक 29 नवम्बर, 2007 से प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सी0 भास्कर)
अपर सचिव

संख्या: 2231 /I(2)/2007-05/53/07, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
- 2- स्टाफ आफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- सचिव, मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 5- अपर सचिव, वित्त, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- वित्त अनुभाग-2
- 7- नियोजन विभाग/राज्य योजना आयोग।
- 8- ऊर्जा सैल।
- 9- ✓ प्रभारी, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10- बीजक हेतु (दो प्रतिलिपि)।
- 11- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एम0एम0 सेमवाल)

अपर सचिव